12. अविकारी या अव्यय

ऐसे शब्द जिन पर लिंग, वचन, कारक के कारण कोई प्रभाव नहीं पड़ता, वे शब्द अविकारी या अव्यय कहलाते हैं। अविकार का अर्थ होता है जिसमें कोई विकार या परिवर्तन न हो।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से पूछें कि वे अविकारी शब्दों से क्या अर्थ समझते हैं।
- ❖ पाठ पृष्ठ 76 पर दिए वाक्यों के उदाहरणों को छात्रों से पढ़वाएँ तथा उनमें आए अविकारी शब्दों धीरे-धीरे, के पीछे से अवगत कराएँ।
- ❖ बताएँ, हम अपनी रोज़मर्रा की बातचीत में कई सारे अव्यय शब्दों का प्रयोग करते ही रहते हैं।
- ❖ अविकारी शब्द क्या होते हैं, समझाएँ।
- ❖ अविकारी शब्दों के प्रकार बताएँ।
- ❖ बताएँ, जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, वे क्रियाविशेषण कहलाते हैं।
- ❖ बताएँ, कोई काम कब, कहाँ, कैसे या कितना हुआ या हो रहा है, यह क्रियाविशेषण से पता चलता है। इसी आधार पर इसके भेद किए जाते हैं। क्रियाविशेषण के चारों प्रकार – कालवाचक, स्थानवाचक, रीतिवाचक, परिमाणवाचक क्रियाविशेषण को स्पष्ट रूप से समझाएँ।
- ❖ संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक अव्ययों के बारे में समझाते हुए पृष्ठ 78-79 पर दिए वाक्य पढ़ें तथा एक-एक करके सभी भेदों को समझाएँ।
- ❖ सुनिश्चित करें कि छात्रों को आसानी से समझ आ रहा है। कुछ वाक्यों को बोलें और उनमें आए अव्यय के बारे में पूछें।
- ❖ 'अब तक हमने सीखा' के अंतर्गत आए मुख्य बिंदुओं के आधार पर पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ।